

हो सकता है तो दूसरे बड़े कवियों का सम्मान हमारा देश कैसे करेगा? मैं आपसे यह प्रार्थना करता हूँ कि आप स्वयं इसमें हमारा सहयोग करें और निराला जी का जन्मशती समारोह सम्मान के साथ सारे देश में मनाया जाए। उनके जन्म स्थान महिषादल में उनकी पर मूर्ति स्थापित की जाए जिसका समर्थन विप्लव बाबू ने किया है और उनके पैतृक गांव की तीनों संस्थाओं का उन्नयन किया जाए, इसकी व्यवस्था होनी चाहिये।... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): कृपया बैठ जाएं मैं आप सब की तरफ से बोल देता हूँ... (व्यवधान) बहुत से माननीय सदस्य इस पर बोलना चाहते हैं। मैं आप सब की तरफ से शासन से कहना चाहूंगा कि पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी निराला राष्ट्रकवि रहे हैं... (व्यवधान) मैं आप सबकी तरफ से बोल देना चाहता हूँ।... (व्यवधान) आपका नाम भी आ गया। उन्होंने अपनी लेखनी का पूरी शक्ति के साथ उपयोग किया। इसलिए जो मांग माननीय सदस्यों ने उठाई है उसकी तरफ शासन को गंभीरता से फैसला करना चाहिये।... (व्यवधान)

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश): जब हम आजादी की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं तो एक योजनाबद्ध... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): अब यह बात हो गई, मैंने आपकी तरफ से कह दी।

श्री विष्णुकांत शास्त्री : माननीय मंत्री जो यहां उपस्थित हैं। सरकार की तरफ से कुछ कह दें... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): वह खड़े हो गए हैं। मंत्री जी का आश्वासन सुनने के लिए आप तो बैठें।

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): उपसभाध्यक्ष महोदय, सदस्यों ने और एक तरह से माननीय सदन ने निराला जी के बारे में जो राय जाहिर की और उनकी जन्मशती मनाने के बारे में जो मंशा जाहिर की मैं उससे निजी तौर पर सहमत हूँ। निराला जी का ज्यादातर समय इलाहाबाद में गुजरा है और मैं भी इलाहाबाद शहर में रहता हूँ। मैं उनके सम्पर्क में भी कभी-कभी दर्शनार्थ जाता करता था और प्रभावित भी था। समाजवादी होने के नाते गरीब के प्रति, दुखी के प्रति जो उनके मन में पीड़ा होती थी मैं उस पीड़ा से प्रभावित भी रहता था। माननीय सदस्यों ने जो सवाल

उठाया है मानव संसाधन विकास मंत्री को उनकी मंशा जल संसाधन मंत्रालय की तरफ से जरूर पहुंचा दी जाएगी। वैसे मानव संसाधन और जल संसाधन तभी ठीक से चलता है जब तक कि वह प्रवाह में रहता है और हम समझते हैं कि निराला जी के विचार सशक्त प्रवाह में हैं।

SPECIAL MENTIONS

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): Now we will take up the Special Mentions. Shri V. Ranjan Chellappa. He is absent. Shri John F. Fernandes:

Air Pollution due to Adulterated Petrol and Diesel.

SHRI JOHN P. FERNANDES (Goa): Mr. vice-chairman, Sir, a recent report says that Delhi, among the metropolises in the country, is the most polluted. Delhi has a vehicle population equal to that of calcutta, Madras and Bombay and the pollution is not only because of traffic population but it is also because of adulteration. The main pollutant in the metropolises in the country is the adulteration of petrol and diesel.

Sir, when the Delhi Government told certain scooter companies to use non-polluting mechanisms, there was some objection and we encouraged these companies to be there in our country because they captured the market in the past and they objected to the new technology coming in the market. The main problem with this pollution lies in our statute, the control of Oil Act. You see, kerosene is freely available in the market and kerosene is freely given to the so-called industries which do not exist. This kerosene is being taken outside and mixed with petrol and diesel. The Government also has control. I don't know what made the Government to control furnace oil. It is the cheapest fuel in the country. It is cheaper than kerosene. This can be supplied to the industries if they are involved in any production activity. But there are industries all over India, including in my